

# भारत में बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं? How Many Types of Bank Accounts in India

 [continuegyan.com/how-many-types-of-bank-accounts-in-india](https://continuegyan.com/how-many-types-of-bank-accounts-in-india)

आज मैं आपको इस ब्लॉग पोस्ट *How Many Types of Bank Accounts in India* में यही बताने वाला हूँ कि बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं और कौन से अकाउंट की क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं।

बैंक में अकाउंट होना आज हर आदमी की एक अहम् जरूरत है, प्रधानमंत्री जन धन योजना के बाद तो हर गरीब से गरीब आदमी के पास अपना बैंक खाता हो गया है।



एटीएम का इस्तेमाल करते समय आपने देखा होगा कि आपसे अपने बैंक खाते का विवरण जैसे Current या Saving Account होने के बारे में पूछा जाता है। लेकिन बहुत ही कम लोग ये जानते हैं कि चालू खाता यानि (**Current Account**) और बचत खाता यानि (**Savings Account**) में क्या अंतर होता है और उनकी क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं।

## How Many Types of Bank Accounts in India

बैंक में आमतौर पर चार तरह के खाते होते हैं और ये चारो खाते अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से खोले जाते हैं।

### 1) बचत खाता (Savings Account)

यह खाता आम लोगो के लिए होता है और निजी लेनदेन निपटाने के काम आता है लेकिन इस अकाउंट पर लेनदेन की सीमायें होती हैं, अमूमन एक दिन में बचत खाते से ज्यादा से ज्यादा 5 लेनदेन किये जा सकते हैं।

बचत खातो में जमाराशि पर बैंक ब्याज भी देते है ज्यादातर बैंकों में ये ब्याज की दर 4% से 6% के बीच में होती है इसीलिए बचत खाता खुलवाने से पहले बैंक कितना ब्याज दे रहा है ये जरूर जान लेना चाहिए।

यहाँ ये भी जानना जरूरी है कि सेविंग्स अकाउंट के ब्याज पर टैक्स लगता है, हालाँकि दस हजार रुपये सालाना ब्याज पर टैक्स में राहत का प्रावधान है।

बचत खाता रखने वालों को बैंक की ओर से चेक बुक, डेबिट कार्ड या ATM कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इन्टरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग जैसे सुविधायें मिलती हैं। इनमें ज्यादातर सुविधायें मुफ्त होती हैं लेकिन कुछ सेवाओं पर बैंक सर्विस फीस या शुल्क भी लेते हैं।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि सेविंग अकाउंट सेविंग करने के लिए ही बना है, हम सभी लोग ही चाहते हैं कि हमारे द्वारा जमा की गयी पैसों पर इंटरेस्ट या ब्याज मिले और कम से कम अपने अकाउंट से पैसे निकालें, जितना जमा हो जाये उतना अच्छा है।

कोई भी आदमी किसी भी कंपनी में काम करता हो चाहे सरकारी नौकरी में हो या प्राइवेट नौकरी, बिजनेसमैन हो या स्टूडेंट किसी भी बैंक में अपना सेविंग्स अकाउंट खोल सकता है। बैंक खाता खोलने के दस्तावेज आपका आईडी प्रूफ और एड्रेस प्रूफ देकर खोल सकते हैं।

जैसा कि मैंने बताया सेविंग्स अकाउंट में खाताधारक को जमा की गयी राशि पर इंटरेस्ट भी मिलता है। बचत खाता के धारक कभी भी बैंक से अपने जमाधन को निकाल सकते हैं और कभी भी बैंक में पैसे जमा कर सकते हैं।

सेविंग्स अकाउंट में पैसे जमा करने की संख्या में तो किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होती, लेकिन पैसे निकालने की संख्या में कुछ लिमिट जरूर होते हैं। जैसे कि आप 100 रुपये से कम नहीं निकाल सकते हैं या ATM से 6 महीने के अंदर 30 बार से ज्यादा पैसे नहीं निकाल सकते हैं।

चालू खाते की तरह आप कहीं भी कभी भी जितना चाहे उतना पैसा सेविंग अकाउंट से नहीं निकाल सकते हैं। ज्यादातर बैंक ग्राहक को अपने अकाउंट में कम से कम राशि यानि **Minimum Account Balance** रखने के लिए बाध्य करते हैं और ऐसा नहीं करने पर उनसे जुर्माना भी वसूलते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के जरिये आप अपने जरूरी बिलों का भुगतान भी कर सकते हैं, ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं और किसी दूसरे को फण्ड ट्रांसफर भी कर सकते हैं।

डेबिट कार्ड के जरिये भी पैसा निकाल सकते हैं साथ ही शॉपिंग वगैरह भी करी जा सकती है। आमतौर पर बचत खाते में कम से कम राशि रखने की शर्त होती है, सरकारी बैंकों में ये राशि 500 से 1000 तक हो सकती है।

लेकिन प्राइवेट बैंक इस मामले में अलग हैं वहां 5000, 10000 से लेकर 25,000 रुपये तक की राशि रखना अपने अकाउंट में जरूरी होता है।

हालाँकि कुछ खातों जैसे कि स्टूडेंट अकाउंट, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गए खाते, इन जैसे खातों में शुन्य बैलेंस भी रखा जा सकता है।

## 2) चालू खाता (Current Account)

चालू खाता आमतौर से बिजनेसमैन, फर्म या कंपनी वगैरह के लिए होता है जिनके अकाउंट में पैसों का बहुत ज्यादा फ्लो (Flow) होता है यानि लेनदेन होता है ऐसे खातों में लाखों रुपये आते हैं हर दिन और निकाल भी लिए जाते हैं।

तो ऐसे लोग अपने चालू खाते में पैसे रखते हैं ऐसे अमीर लोगो या फर्म को इन्वेस्टमेंट करने या अपने पैसे पर ब्याज या इंटरेस्ट लेने में कोई रुबि नहीं होता है। चालू खाते की खूबी ये है कि इसमें पैसे जमा करने या निकालने की कोई सीमायें नहीं होती है। चालू खाते में धारक को इंटरेस्ट नहीं मिलता है और हाँ, बैंक उनसे सर्विस चार्ज जरूर वसूलते हैं।

चालू खाता बचत खाते से बिल्कुल अलग होता है क्योंकि ये खाता खास तौर से कारोबारियों के लिए होता है, बिजनेसमैन के लिए होता है।

इस खाते में बचत खाते की तरह लेनदेन की कोई सीमा नहीं होती है यानि एक दिन में आप कितने भी Transaction कर सकते हैं।

चालू खाते में जमाराशि पर ब्याज नहीं मिलता है, लेकिन इस खाते का सबसे बड़ा फायदा ये होता है कि बैंक कारोबारियों को इसके जरिये पैसे देती है ताकि उनके बिजनेस में रुकावट नहीं आये साथ ही बैंक चालू खाते में ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी देती है यानि चालू खाते से कारोबारी उसमे मौजूद रकम से ज्यादा पैसा भी निकाल सकते हैं।

किसी चालू खाते से कितनी राशि ओवरड्राफ्ट की जा सकती है इसका निर्धारण बैंक खाताधारक के टर्नओवर, मुनाफा वगैरह को ध्यान में रखकर तय करते हैं। चालू खाता कोई भी व्यक्ति निजी रूप से या संयुक्त खाते के तौर पर खोल सकता है इसके आलावा कंपनियों, प्राधिकरणों, ट्रस्टो, समाजसेवी संस्थाओ या सोसाइटी द्वारा भी ये खाते खोले जा सकते हैं।

चालू खाते पर बैंक कई तरह की ऐसी सुविधायें देते हैं जिनसे खाताधारको, कंपनियो या संस्थाओ को अपने कामकाज में आसानी होती है। इनमे डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर जारी करने, NEFT/RTGS से फंड ट्रान्सफर, Doorstep बैंकिंग, चेक कलेक्शन, भुगतान और मुफ्त कैश डिपोजिट वगैरह शामिल हैं।

### 3) आवर्ती जमा खाता (Recurring Deposit Account)

RD अकाउंट में वो लोग खाता खोलते हैं जो एक निश्चित राशि नियमित रूप से जमा करना चाहते हैं जिससे कि उन्हें अधिक दर पर ब्याज या इंटरेस्ट मिले। RD अकाउंट में एक खास राशि तय अवधि के लिए जमा की जाती है और तय की गयी अवधि के समाप्त हो जाने पर ब्याज के साथ कुल राशि का भुगतान कर दिया जाता है।

जमा करने की कम से कम अवधि एक साल और ज्यादा से ज्यादा दस साल की होती है। ब्याज की दर जमा पैसे और जमा की गयी अवधि के हिसाब से विभिन्न प्लान में अलग-अलग हो सकती है।

जैसे कि आप अगर हर महीने दस हजार रुपये जमा कर रहे हैं तो आपको ज्यादा इंटरेस्ट या ब्याज मिलेगा उनलोगों की तुलना में जो चार हजार रुपये महीने में जमा कर रहे हो उन्हें कम इंटरेस्ट मिलेगा।

वहीं अगर आप ज्यादा अवधि के लिए पैसे जमा करने वाले हैं तो ज्यादा इंटरेस्ट मिलेगा और कम अवधि के लिए तो कम इंटरेस्ट मिलेगा।

RD अकाउंट में समय से पहले निकासी यानि पैसे निकालने की सुविधा बिल्कुल नहीं होती है, वैसे बैंक चाहे तो खाते की अवधि पूरी होने से पहले उसे बंद करने की अनुमति दे सकता है। आवर्ती जमा खाते यानि RD अकाउंट में सिंगल या संयुक्त खाता (Joint Account) भी खोले जा सकते हैं।

### 4) सावधि जमा खाता (Current Account Deposit / Fixed Deposit Account)

---

फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट में एक खास अवधि के लिए एक विशेष राशि रखी जाती है यहाँ एक बार ही पैसा जमा कर सकते हैं और एक बार ही निकाल सकते हैं।

RD Account की ही तरह FD Account में भी समय से पहले पैसे निकाल नहीं सकते हैं, तय की गयी अवधि से पहले पैसे निकलने से आपको बैंक को पेनल्टी यानि जुर्माना देना पड़ता है जो कि हर बैंक के द्वारा अलग-अलग तय की जाती है और अकाउंट को हमेशा के लिए बंद कर दिया जाता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट में उपभोगता को हाई इंटरेस्ट रेट दिया जाता है, इंटरेस्ट रेट जमा पैसे और जमा की अवधि यानि डिपॉजिट पीरियड के आधार पर तय की जाती है जो कि ज्यादा से ज्यादा 10 साल की होती है।

आज आपने जाना कि बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते हैं और कौन से अकाउंट की क्या खूबियाँ और क्या सीमायें होती हैं। अगर आपको मेरा ये पोस्ट बैंक खाते कितने प्रकार के होते हैं **How Many Types of Bank Accounts in India** पसंद आया हो तो कृपया इसे शेयर कर दूसरे लोगो तक इस जानकारी को पहुंचाएं।